एस॰ एम॰ कॉलेज [illegible]।
विभाग - हिंदी
विषय - हिंदी रचना पाठ
कक्षा - स्नातक भाग 1
शिक्षण माध्यम - व्हाट्सएप
समय - 11 बजे से 12 बजे तक, 10.5.2020
शिक्षक - डॉ॰ [illegible] शर्मा
पाठ - संक्षेपण
प्रिय - छात्र - छात्राएँ।

पिछली कक्षा में संक्षेपण को परिभाषित करते हुए उसके स्वरूप पर चर्चा की गई थी एवं आपसे आग्रह किया गया था कि आप अभ्यास करते रहें। प्रायः देखा जाता है कि नियमों पर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद संक्षेपण सही रूप में विद्यार्थी नहीं कर पाते इसका एकमात्र कारण है भाषा पर अपेक्षित पकड़ और अभ्यास का अभाव।

1 ~~[illegible]~~ प्रक्रिया को लेकर प्रायः विद्यार्थी जल्दी कर बैठते हैं वह एक निश्चित भाव का ध्यान रखकर अवतरण को छोटा कर देते हैं। ऐसे अवतरण के एक भाग पर ही अक्सर बल जाता है। जबकि सर्वप्रथम आपको दो-तीन बार अवतरण को अवश्य पढ़ना चाहिए जिससे अवतरण का मूल भाव आपके मानस में स्पष्ट हो सके। इसी मूल भाव के आधार पर शीर्षक का चुनाव करना चाहिए। शीर्षक कभी बड़ा नहीं होना चाहिए—मात्र एक या दो शब्द का शीर्षक ही उपयुक्त होता है।

2 मूल भाव को समझने के बाद उन आवश्यक शब्दों और वाक्य खंड अथवा वाक्य को रेखांकित करें जिससे

कोई मूल तथ्य छूटने नहीं पायेगा।

3. संक्षेपण के लिए अवतरण को संक्षिप्त करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इसमें अपनी ओर से किसी प्रकार की टीका-टिप्पणी, आलोचना या किसी बात का खंडन आदि नहीं करना है।

4. संक्षेपण को अंतिम रूप देने से पहले रेखांकित वाक्यों, शब्दों के आधार पर उसकी रूप-रेखा तैयार करनी चाहिए फिर उसे ध्यान से पढ़कर संशोधन करना चाहिए। इस संबंध में ध्यान रखना चाहिए कि मूल अवतरण के विचारों का क्रमबद्ध एवं तारतम्यता बनी रहनी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर शब्दों में परिवर्तन भी किया जा सकता है पर उसे आवश्यक रूप से सही ग्रहण करना चाहिए।

5. उपर्युक्त रूप-रेखा तैयार करने के बाद उसे दो-तीन बार पढ़ना चाहिए ताकि कोई मूल विचार या तथ्य छूट न जाए। केवल अनावश्यक और पुनरावृत्ति को दूर किया जाना चाहिए।

6. सबसे अंत में आपके द्वारा लिखित संक्षेपित अंश को व्याकरण सम्मत बनाने के लिए अवलोकन अवश्य करना चाहिए। ताकि यह रहे कि मूल अवतरण का एक तिहाई या एक चौथाई भाग ही संक्षिप्त रह सकता है। मूल अवतरण के शब्दों की संख्या और संक्षेपित अवतरण की शब्द-संख्या अंकित कर देनी चाहिए।

[illegible]
10.8.20